



बड़े फू (एवियन इंफ्लूएंजा H5N1)

बड़े फू पोल्ट्री में फैलाने वाला घातक संक्रामक रोग है। यह एक उच्च रोगजनक एवियन (पक्षी) फू वायरस के कारण होता है। विषाणु के संपर्क में आने पर यह मनुष्यों को भी संक्रमित कर सकता है।

कुक्कटों में लक्षण

- मुर्गी फार्म में अचानक से बहुत सारी मुर्गीयों का मरना
- मुर्गीयों के नसिका और आँख से स्राव का आना
- कलंगी का नीला या बैगनी रंग का होना
- त्वचा और मांसपेशीयों पर रक्त स्राव का होना



मनुष्यों में लक्षण

- बुखार और खांसी
- सांस / साँस लेने में तकलीफ
- पेट में दर्द
- दस्त
- निमोनिया
- सांस की विफलता
- उपचार न मिलने पर मृत्यु



जैव सुरक्षा

- मुर्गी फार्म के आस पास जलीय पंक्षी जैसे बकुला या बत्तख को न आने दे
- मुर्गी फार्म के अंदर बाहरी किसी व्यक्ति को प्रवेश न दे
- मुर्गी फार्म के प्रवेश पर फूट बाथ का प्रयोग करे
- मुर्गी फार्म के पास वाहनों को न आने दे
- मुर्गी फार्म के चारों तरफ विसंक्रामक का छीड़काव करे

रोग प्रकोप होने पर

- रोग का अंदेशा होने पर तूरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करे
- मरी हुई मुर्गीयों को नछुए नहीं उनका मांस खाए
- विशेषज्ञ टीम के आने पर मरी हुई मुर्गीयों को फार्म से दूर गहरा गड्ढा खोदकर दफना दे

मनुष्यों में नियंत्रण

- संक्रमण को रोकने के लिए सबसे अच्छा तरीका है बीमार या मृत पोल्ट्री के साथ किसी भी संपर्क से बचना
- प्रभावित प्रदेशों में जहा H5N1 वायरस के संक्रमण हो सकता है ऐसे प्रदेशों की यात्रा करने से बचें
- मुर्गी और अंडे को ठीक तरह से पका कर खाये
- कच्चे मुर्गी या अंडे को छुने के बाद कम से कम 20 सेकंड के लिए साबुन और गर्म पानी से अपने हाथ धो लें
- कच्चे मुर्गी को काटने और रखने के लिए इस्तेमाल किए गए चाकू और बर्तन को अच्छी तरह से साफ कर दे
- पकाने के तापमान को 165°F निश्चित करने के लिए खाद्य थर्मोमीटर का उपयोग करे
- अंडे को तब तक उबाले जब तक की पीला वाला भाग ठोस न हो जाए

संकलित और संपादित

डॉ. जी. एस. देसाई, डॉ. अवधेश प्रजापति, डॉ. आर. श्रीदेवी, डॉ. योगीशराध्या आर., डॉ. मुदासिर चंदा, डॉ. जी. गोविन्दराज

प्रकाशक

निदेशक

भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान, पोस्ट बॉक्स-6450, यलहंका, बेंगलुरु-560064, कर्नाटक

फोन: 080-23093110, 23093111 फैक्स: 080- 23093222, वेबसाईट: www.nivedi.res.in, ईमेल: director.nivedi@icar.gov.in